प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृ–भाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 22 फरवरी 2022। विश्वविद्यालय में संस्कृतिक चेतना परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'अभिव्यक्ति'–आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला के साथ–साथ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. बृजेश सिंह; अधिष्ठाता, कृषि, डा. शिवेंद्र कश्यप; परिषद की समवन्यक, डा. विनीता राठौर; सहायक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं सहायक प्राध्यापक प्रौद्योगिक महाविद्यालय, डा. शोभित गुप्ता एवं प्राध्यापक अनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, डा. जे. पी. जयसवाल मंचासीन थे।

इस अवसर पर डा. ए.के. शुक्ला ने मातृ–भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति अपने भावों को जिस सरलता से अपनी मातृ–भाषा में व्यक्त कर सकते हैं उसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने सांस्कृतिक चेतना परिषद के भारतीय संस्कृति एवं मातृ–भाषा के प्रचार–प्रसार के प्रयासों की सराहना की। डा. शिवेंद्र कश्यप ने भाषा को संवाद का माध्यम बताते हुए कहा कि मातृ–भाषा का प्रयोग करते हुए हमें सदा ही गर्व होना चाहिए तथा हमें मातृ–भाषा को पढ़ने–लिखने में भी निपुण बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृ–भाषा को साथ लेकर जब हम अन्य भाषाओं का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं तो यह समाज के ताने–बाने को और भी ज्यादा मज़बूत करता है।

डा. बृजेश सिंह ने भारतीय संस्कृति की अक्षुणता का वर्णन करते हुए कहा कि भाषा, भेष, भोजन तथा भ्रमण अपना ही अच्छा होता है। हमने आज तक अपनी संस्कृति के साथ समझौता नहीं किया इसलिए भारतीय संस्कृति अपनी निरंतरता बनाये हुए है। डा. जे. पी. जयसवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि मातृ–भाषा जैसी प्यारी और सरल कोई दूसरी भाषा नहीं होती है। डा. विनीता राठौर ने बताया कि मातृ–भाषा वह भाषा है जो हम अपने माँ से सीखते है और यही हमारे हृदय में रच–बस जाती है। अंत में उन्होंने भारतीय संस्कृति को समाज में जागरूक करने का संदेश देते हुए सभी अथिति एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रतियोगिता में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए अपने वाचन कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडली द्वारा अतुल गौड़ को प्रथम, शगुन को द्वितीय एवं क्षितिज को तृतीय स्थान पर घोषित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभात कुमार सिंह एवं प्रियांशु दीक्षित द्वारा किया गया।

अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत।